7. भारत के राष्ट्रीय पर्व

[*CBSE*]

विचार-बिंदु–• पर्व और उनके रूप • जातीय, सामाजिक, राष्ट्रीय आदि • राष्ट्रीय पर्व • उन्हें मनाने के ढंग (स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महात्मा गाँधी का जन्म-दिवस) • इन पर्वों का संदेश।

पर्व किसी भी जाति के जीवन में मनोरंजन और ऊर्जा भरते हैं। प्रत्येक देश की संस्कृति के अनुसार ही पर्वों का निर्धारण होता है। कुछ पर्व जातीय घटनाओं और स्मृतियों पर आधारित होते हैं। जैसे–होली, दीवाली, दशहरा हिंदुओं की जातीय स्मृति के परिचायक हैं। कुछ पर्व सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए होते हैं। रक्षा-बंधन, भैया दूज, करवा चौथ आदि पर्व सामाजिक पर्व हैं। कुछ पर्व पूरे देश की अखंडता से संबंधित होते हैं। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महात्मा गाँधी का जन्म-दिवस आदि भारत के राष्ट्रीय पर्व हैं। इन राष्ट्रीय पर्वों को पूरा देश मनाता है। ये पर्व व्यक्तिगत न होकर राष्ट्रीय होते हैं। इसलिए सभी राष्ट्रीय सरकारें, मंत्रालय, कार्यालय, संस्थान इन पर्वों को सामूहिक रूप से मनाते हैं। इन दिनों सामान्य कार्यों के लिए अवकाश होता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न सरकारें तथा संस्थान रंगबिरंगे कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। इस दिन हर जिले के मुख्यालय पर विशाल कार्यक्रम होता है। राष्ट्रीय ध्वज बड़ी शान से फहराया जाता है। विभिन्न संस्थान अपनी-अपनी प्रतिभा, उपलब्धि और प्रगति का प्रदर्शन करते हैं। सरकार के मंत्री तथा पदाधिकारी गण राष्ट्रीय स्वाधीनता पर भाषण देते हैं। गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को दिल्ली के लालकिला मैदान में भव्य कार्यक्रम होता है। राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं तथा राष्ट्र को संबोधित करते हैं। इस दिन सभी प्रांत अपनी-अपनी संस्कृति और प्रगति का भव्य प्रदर्शन करते हैं। पूरा देश इस कार्यक्रम को देखता है। देश की जल, थल, नभ सेना अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करती है। ये सभी पर्व हमें शक्ति, प्रगति, बंधुता और एकता का संदेश प्रदान करते हैं।

8. गणतंत्र-दिवस (26 जनवरी)

विचार-बिंदु– • गणतंत्र दिवस का महत्त्व • सरकारी कार्यक्रम • राजधानी में कार्यक्रम • परेड का भव्य दृश्य • राष्ट्रीय भावना का संचार

गणतंत्र-दिवस भारत का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। 26 जनवरी का दिन समूचे भारतवर्ष में बड़े उत्साह तथा हर्षोल्लास से मनाया जाता है। समूचे देश में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। प्रदेशों की सरकारें सरकारी स्तर पर अपनी-अपनी राजधानियों में तथा जिला स्तर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा अन्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। राजधानी दिल्ली में इस राष्ट्रीय पर्व के लिए विशेष समारोह आयोजित किया जाता है। नई दिल्ली के विजय चौक से प्रात: परेड का प्रारंभ होता है। इंडिया गेट के निकट राष्ट्रपति राष्ट्रीय धुन के साथ ध्वजारोहण करते हैं। उन्हें तोपों की सलामी दी जाती है। हवाई जहाजों द्वारा पुष्प वर्षा की जाती है। सैनिकों का सीना तान कर अपनी साफ-सुथरी वेश-भूषा में कदम-से-कदम मिलाकर चलने का दृश्य बड़ा मनोहारी होता है। इस भव्य दृश्य को देखकर मन में राष्ट्र-भक्ति तथा उत्साह का संचार होने लगता है। मिलिट्री तथा स्कूलों के अनेक बैंड सारे वातावरण को देश-भक्ति तथा राष्ट्र-प्रेम की भावना से गुंजायमान कर देते हैं। विभिन्न झाँकियों की कला तथा शोभा को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। यह पर्व अतीव प्रेरणादायी होता है।